SEMESTER-2, BY 

Dr. Shyam Bihari Choudhary

classmate Date 27.04.20 Page

TOPIC - TEACHING EFFECTIVENESS

कभी कभी शिक्षण के क्रियात्मक पक्षों (Functional Aspects) को आगत चर (Input variables), प्रक्रियागत चर (Process variable) तथा निर्गत चर (Output variables) के रूप में विभक्त करके समझा जाता है। आगत चरों में मुख्य रूप से शिक्षार्थी के प्रवेश के समय व्यवहार का (Entering behaviour) अर्थात उसकी पूर्व योग्यता व अर्जित ज्ञान तथा शिक्षक का ज्ञान, कौशल, योग्यता व प्रभावशीलता आदि समाहित रहते हैं। प्रक्रियागत चरों में शैक्षिक उद्देश्य, पाठ्यक्रम, पाठ्यवस्तु, शिक्षणविधि शिक्षण सामग्री आदि प्रमुख बातों का समावेश रहता है जबकि निर्गत चरों में छात्रों में आये व्यवहार परिवर्तन व अधिगम रूपी प्रतिफल आदि बातें सम्मिलित रहती हैं।

अध्यापक शिक्षा तथा प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य शिक्षण प्रभावशीलता का उन्नयन करना होता है। इसके लिए इस क्षेत्र में अनुसंधान करने की परमावश्यकता है। वस्तुतः अनुसंधान कार्यों के द्वारा प्रभावशाली तथा सफल शिक्षण से जुड़े कारकों को पहचानकर शिक्षण अधिगम को प्रभावी बनाने के लिए जरूरी नीतियाँ, कार्यक्रम, प्रयोग, नवाचार या अभ्यास को नियोजित, क्रियान्वित तथा पर्यवेक्षित किया जा सकता है।

Dr. Shyam Bihari Choudhary
Asst. Prof (Deptt of Education)
MMHAPU 27.04.20

Scanned with CamScanner